[The Deputy Chairman]

पीछे जाइये अपनी जगह पर ।..

(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: It is a very important matter. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. Mr. Narayanasamy, please take your seat. (*Interruptions*) I know the matter you are raising, Mrs. Sinha has come and showed me the photograph. I have promised her that I will allow a discussion or a mention on that in this House. Whenever there is any *Atyachar* on a Harijan or any *Mahila*, we have always taken it up. So, please let us go in order. Let us not make a scene. I will permit it. (*Interruptions*) I have said I am not disallowing it, but let us go about it in a proper way so that it is recorded. (*Interruptions*) I said it should be properly recorded. If all of you speak together, nothing will be recorded. So, one by one I will allow.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: How about Boris Yeltsin?

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is not a Member of this House.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: So, you invite him to become a Member of this House. It will be a great honour to this country.

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : उपसभापति जी, मैं एक छोटा-सा मुद्दा उठाना चाहता हूं । बाकी बातें महिलाओं के संबंध में होंगी, मैं केवल एक बात उठाना चाहता हूं । परसों मुम्बई में पूर्व प्रधान मंत्री श्री मोरारजी भाई देसाई को हिन्दुस्तान की सरकार की ओर से भारत रत्न की उपाधि दी गई । भारत रत्न की उपाधि अपने आप में बड़ी महत्वपूर्ण उपाधि है । एक सरकारी अफसर से, मानो कोई पोस्टमैन चला जाता है, इस प्रकार से भारत रत्न की उपाधि देना बहुत ही निन्दाजनक स्थिति है । ढेर सारे मंत्री हैं, उनमें से एक जाकर अगर सम्मान के साथ उन्हें भारत रत्न दिया जाता तो यह अच्छी बात होती । लेकिन इस प्रकार से उन्होंने भारत रत्न की उपाधि और श्री मोरारजी भाई की प्रतिष्ठा को कम किया है, यह निन्दाजनक है ।...

(व्यवधान)

उपसभापति : आप सब स्थान ग्रहण कीजिये, मैं आपको बोलने के लिये एलाऊ करूंगी ।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, BJP's concern for Morarji Desai is totally bogus. We have not objected to it. I don't see why they should object.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: When he was with us, he was also concerned about it. Right from the beginning... (*Interruptions*)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I have never been with the BJP. Let it be on record. (*Interruptions*)

Re. An incident of atrocity on a woman in a village in Andhra Pradesh

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : महोदया, मैं एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय को सदन में प्रस्तुत करना चाहती हूं । 14 अगस्त को आंध्र प्रदेश में एक घटना घटी । चलाकुट्टी नाम की एक जगह है, वहां पर एक हरिजन महिला ... **(व्यवधान)** । ठीक है, बैकवर्ड है । मैं तो मानती हूं कि हर महिला बैकवर्ड है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us not argue on whether the woman is backward or forward. That is not important. It is the dignity of the woman that is more important.

श्रीमती कमला सिन्हा : एक महिला जो पिछड़े वर्ग से आती है । उनका नाम श्रीमती मुतुम्मा है, उन पर गलत तरीके से इल्जाम लगाया गया । हुआ यह था कि एक रेड्डी लड़की थी । उसका एक पिछड़े वर्ग के लड़के से प्रेम था । वह शादी करने के लिये घर से चली गई थी । उस लड़के के भाई एवं परिवार वालों ने श्रीमती मुतुम्मा को 14 अगस्त को चलाकुट्टी शहर में मारा-पीटा और कहा कि तुमने उनको भगाया

है । उसको पूरे शहर में दिन के समय नंगा करके परेड करवाया और जब यह औरत पुलिस के पास थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने गई तो उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई और एफ०आई०आर० दर्ज नहीं किया गया । उसको पुलिस की तरफ से सलाह दी गई कि अगर पिटाई हुई है तो अस्पताल में जाकर इलाज करवाओ । मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि हम कहां हैं? हिन्दुस्तान को आजाद हुये 44 साल हो गये हैं और अभी-अभी हमने नेशनल फलेग फहराया है । 44 साल की आजादी के बाद भी आज महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं । पुलिस का काम रक्षा करना है । और पुलिस जिसका काम है रक्षा करना, वे लोग एफ०आई०आर० तक दर्ज न करें, दोषियों को अन्याय की सजा न दें और महिलाओं के ऊपर इस तरह से अन्याय और अत्याचार होता रहे, यह बड़ी निंदनीय बात है । महोदया, मैं आपके माध्यम से चाहूंगी कि सरकार इस पर ध्यान दे और सरकार इस बारे में सख्त कार्यवाही करे और इस पर एक जूडीशियल इक्वायरी भी बहाल करे । . . . (**व्यवधान**) . . .

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन : (मध्य प्रदेश) : महोदया, इस सदन में पुरुष भी इसमें अपने को एसोसिएट करते हैं ।

उपसभापति : एटलीस्ट एक पुरुष तो बोले ।

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : महोदया, 21 जून को रतलाम जिले के जावेरा कस्बे में पिंजराला गांव में एक बूढ़ी महिला को निर्वस्त्र करके और उसको बुरी तरह से पीट पीट कर पूरे गांव में घुमाया गया । उसका दोष सिर्फ इतना था कि उस पर यह संदेह किया गया था कि वह जादू-टोना जानती है । इस घटना को पूरा गांव देखता रहा लेकिन कोई भी उसकी मदद के लिये आगे नहीं आया । महिलाओं पर इस तरह से बढ़ते अत्याचार, उनको नंगा घुमाया जाता है, उनको पीटा जाता है, लेकिन उनकी मदद के लिये कोई नहीं आता । उनको निर्वस्त्र किया जाता है, उनको पीटा जाता है । मैं चाहूंगी कि यह जो घृणिततम अत्याचार, जो महिलाओं के ऊपर किया जा रहा है इस पर सरकार ध्यान दे और जल्दी से जल्दी इसको रोकने का प्रयत्न करे . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : बोलने तो दीजिये उनको । आर्डर प्लीज ।

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs is listening to it.

सरला माहेश्वरी जी आप बोलिये । . . . (*Interruptions*) . . . Let the women say what they want to say. Then, I will allow you. Yes, Mrs. Sarla Maheshwari.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : उपसभापति महोदया, स्वतंत्रता दिवस की 44वीं पूर्व संध्या पर अगर हिन्दुस्तान की आम महिलाओं के साथ इस तरह का जुल्म और जब्र होता हो तो जो आज से करीब सवा सौ साल पहले जो ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने कहा था कि शायद हिन्दुस्तान में महिलायें जन्म लेते हुये शर्म महसूस करेंगी, सत्य सिद्ध होगी । महोदया, मैं माननीय गृह मंत्री जी से यह कहना चाहती हूं कि हिन्दुस्तान की महिलाओं के साथ अगर यही व्यवहार चलता रहे तो शायद सारी दुनिया का हिन्दुस्तान का सर शर्म से झुक जायेगा । उपसभापति महोदया, उस देश के लिये यह बहुत ही शर्म की बात है जिस देश की संस्कृति के बारे में कहा है कि "यत्र नर्यस्तु पूज्यते रमन्ते तत्र देवता" । लेकिन अफसोस की बात है कि आज हमारे यहां नारी सिर्फ मंदिरों में पूजी जाती हैं और सड़कों पर उसको निर्वस्त्र करके घुमाया जाता है । महिलाओं के लिये इससे

[श्रीमती सरला माहेश्वरी]

ज्यादा शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती और किसी भी सभ्य सरकार के लिये, अगर कोई भी सरकार यह दावा करती है कि हम हिन्दुस्तान की गद्दी पर हैं या आंध्र प्रदेश सरकार यह दावा करती है, तो उसके लिये इससे ज्यादा शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती । उपसभापति महोदया, मैं चाहूंगी कि माननीय गृह मंत्री आज ही इसकी तहकीकात करके आज ही सदन को अवगत करायें कि इस घटना से संबंधित तथाकथित अपराधी कौन है और उन अपराधियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है । धन्यवाद ।

श्रीमती अमृता प्रीतम (नाम निर्देशित) : महोदया, मैं कहना चाहती हूं कि इस देश ने पूरा दुनिया को अर्द्धनारीश्वर का फलसफा दिया । ईश्वर आधा पुरुष है, आधी नारी है और ईश्वर का ही आधा हिस्सा अपने आधे हिस्से पर ऐसे अपराध करने लगे, ऐसी बर्बरियाना हरकतें होने लगीं तो इससे बड़ी इस देश के चिंतन और इस देश की तहजीब की तौहीन और क्या हो सकती है ?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam Deputy Chairman, I would like to associate myself with all my colleagues who have just spoken and plead with all the hon. Members to rise in one voice and condemn this incident. ..(*Interruptions*)...

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): We are condemning it with hundreds of voices not with one voice. ..(*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I do not want to publicise it... ...(*Interruptions*)...Madam, the issue is that today the society in our country has receded to such an extent that it is not just a question of life for women. The fact is that they cannot live with honour and dignity. I want to bring before this House the case of Ameena also.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please do not speak on that because Aliaji has been permitted to make a special mention on that.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I am not speaking on that. I am just pointing out the fact that a eleven-year old child can also be sold like this. I would like the Home Minister to come up with a statement and tell us first of all what action has been taken against the people who were responsible for this terrible incident in Andhra Pradesh and secondly what action has been taken against those police officers and officers of the administration who had refused to register a case and allowed such a thing to happen.

कुमारी रत्निका प्रेमजी केनिया (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदया, बार बार इस प्रकार के समाचार आते रहते हैं कि देश में महिलाओं के ऊपर दिन-प्रतिदिन अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं । यह जो घटना है यह इस बात की गवाही देती है कि हमारे समाज में महिलाओं का दूसरे दर्जे का स्थान अभी भी है । आंध्र प्रदेश में जो किस्सा हुआ है चार जमींदारों ने मिलकर करके एक महिला को नंगा करके पूरे बाजार में घुमाया, मैं यह चाहूंगी कि फौरन इस घटना की तहकीकात की जाये । सरकार के गृह राज्य मंत्री यहां पर बैठे हुये हैं वह स्टेटमेंट करें कि पुलिस ने एक्शन नहीं किया तो उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है । हम सब चाहेंगे खास कर के महिलायें यह चाहेंगी कि जहां जहां पर ऐसे किस्से होते हैं जैसे अमीना जी का प्रकरण हुआ या जो दूसरे प्रकरण हो, हम वहां पर जायें, मुआयना करें और फौरन उनको जस्टिस दिलायें ।

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों के संबंध में जो बात उठी है, मैं उससे अपने आप को संबद्ध करते हुए यह चिंता व्यक्त करती हूं कि पूरे भारत में करीब करीब दो साल से महिलाओं के ऊपर घोर अत्याचार हो रहे हैं । यह किसी सरकार की बात नहीं होती है । आज आंध्र प्रदेश में महिला को नंगा नचाया गया है इससे पहले त्यौहार के दिन, होली के दिन सलइया मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में भी महिलाओं को नंगा नचाने के लिये आयोजन किया गया था । इसी तरह उन्नाव में एक महिला को जलाया गया था जिसके लिये मैंने जुलाई में एक स्पेशल मेंशन भी किया था । महिलाओं के ऊपर किये जाने वाले अत्याचारों के संबंध में हम लोग चिंता प्रकट करते हैं और गंभीरता से अपने विचार व्यक्त करते हैं लेकिन रिजल्ट क्या होता है इसके बारे में हमें कुछ भी मालूम नहीं पड़ता है । मैं आप से निवेदन करना चाहती हूं कि इस पर सदन में आधे घंटे की चर्चा हो जानी चाहिये क्योंकि महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं । मेडम, इस बात की भी जानकारी माननीय सदस्यों को दी जानी चाहिये कि जहां पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं वहां पर अपराधियों को क्या दण्ड दिया जाता है । मैं यह जानना चाहती हूं कि अभी जिस संबंध में हमारी बहनों ने यहां पर चर्चा की है मुझे एक जानकारी मिली है जिसकी जांच होनी चाहिये वह यह है कि आंध्र प्रदेश विधान मंडल के एक सदस्य भी इसमें इनवाल्वड हैं । इसकी जानकारी होनी चाहिये कि कौन से लोग हैं ? उनको सदन से निकाला जाना चाहिये ।

श्री प्रभाकर राव किलवला (आंध्र प्रदेश) : मैंडम, मुझे भी बोलना है ।

उपसभापति : बाद में । पहले महिलायें अपने मन की बात कह दें । I will allow all of you.

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): He comes from that area.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: He knows the details of what happened there.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Even if we do not come from that area, we feel about it. I will allow him. Let her finish first. (*Interruption*). I will allow him after she finishes.

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : उपसभापति महोदया, जिस घटना का उल्लेख श्रीमती कमला सिंहा ने इस सदन के अन्दर किया है, उससे हम सभी बहनों का उत्तेजित होना स्वभाविक है । यह एक ऐसी घटना है जिसके साथ केवल हमारा सिर शर्म से नहीं झुकता बल्कि हमारे मनों में भी आक्रोश उठता है । यह घटनायें दिन प्रति दिन देश के किसी न किसी कोने में होती ही रहती है । इसलिये वहां पर शासन करने वाली सरकार का दोष ही नहीं बल्कि यह घटनायें उस मनोवृत्ति का परिचायक है जो आज भी हमारे समाज के अन्दर व्याप्त है चाहे वह देश का कोई भी सूबा हो, प्रांत हो, वहां पर किसी भी दल की सरकार काम क्यों न कर रही हो । मुझे इस बात की खुशी है कि आज इस सदन के अन्दर केवल महिला सदस्यों ने ही नहीं बल्कि इस प्रवृत्ति विशेष का विरोध करते हुये इस सदन के पुरुष सदस्यों ने भी अपने आप को इससे एस्सोसियेट किया है । और इस पूरी की पूरी घटना की निंदा की है । लेकिन केवल निंदा कर देने से, केवल चर्चा चला देने से या केवल इसका उल्लेख कर देने मात्र से इन समस्याओं का समाधान नहीं हो जायेगा । हम सबने चाहा है । राज्य गृह मंत्री महोदय सदन के अन्दर बैठे हैं उन्होंने हमारी सबकी भावनाओं को सुना है । वे केवल यह कहकर नहीं टाल सकते कि तथ्यों का उन्हें पता लगाना है क्योंकि घटना को घटे एक सप्ताह से ऊपर हो चुका है । किसी भी जिम्मेदार सरकार का यह फर्ज बनता है कि इस तरह की घटना जैसे ही प्रकाश

[श्रीमती सुषमा स्वराज]

में आये, समाचार पत्रों में आये त्यों ही तथ्यों का पता लगाया जाये। एक सप्ताह हो चुका है। तथ्यों का पता लगाया जा चुका होगा इसलिये मेरी आपके माध्यम से मांग है कि आज गृह मंत्री महोदय इस सदन के अन्दर उन तथ्यों के आधार पर अपना बयान दें। दोषियों के प्रति क्या कार्यवाही की गयी है इसका ब्यौरा सदन को दें। सदन को विश्वास में लें और आगे इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिये सरकार क्या कदम उठा रही है इसके बारे में भी सदन के अन्दर अपनी बात रखें। इतना ही मुझे इस बारे में कहना है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The whole House condemns it. (*Interruptions.*) The whole House condemns what happened. We have not done it only today. We have done it before also. In this House, many times such issues have been brought by Members of Parliament. They are very condemnable issues. I think the Home Minister wants to react to it.

फिर आपको कुछ एड करना हो तो कर दीजियेगा। आप उस एरिया के हैं।

Let the Home Minister first react. Let us not dilute the concentration of the issue. (*Interruption*). I will allow you.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Madam, please allow him before the Home Minister reacts.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me conduct the House the way I like, please.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: This is only my submission. Let the Home Minister wait for two minutes. Let him add something and then let the Home Minister react.

SHRI P. UPENDRA: Let' us listen to him also.

उपसभापति : आप आराम से बैठिये मे एलाउ करूंगी।

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान : (आंध्र प्रदेश) : उनको एलाउ कीजिए।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow him. Please do not speak in that way. We are talking on *atyachar* on woman. You also try to listen to the cassette and see the way you speak to the Deputy Chairman. When I promise that I will allow him, I will allow him. Let the Minister say something. (*Interruption*). Let me do what I want to. Why do you argue? He can add if he wants because he comes from that area.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Madam, I respectfully agree with the sentiments and feelings expressed in this House about the atrocities on women happening in various parts of the country. Especially today, our hon. lady Members were very vocal and agitated, and rightfully so, about the atrocities on women. Madhya Pradesh and Andhra Pradesh were mentioned. There are instances (*Interruptions*).

SHRI MURASOLI MARAN (Tamil Nadu): What about Tamil Nadu?

SHRI M. M. JACOB: The first atrocity on women was raised by hon. lady Member Shrimati Veena Verma sitting here and that was in Madhya Pradesh. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Wherever it is... (*Interruption*)...

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No point of order. Whether they are Congress-ruled States or other States, subjecting women to such torture and indignity has to be condemned.

Some parts of the country may be ruled by some party and some other parts by some other parties. (*Interruptions*).

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): But Madam, the Home Minister is diluting the whole issue. Please ask him to concentrate on Andhra. (*Interruptions*).

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : यही सारा सुषमा जी के कहने के बाद वे जानबुझकर . . (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Home Minister Saheb, please concentrate on the immediate issue which is before us. This is an important one. O.K.? Now he has agreed.

SHRI M. M. JACOB: Madam Deputy Chairman, it seems some hon. friends sitting on that side have misunderstood my statement. I have said that this morning Members from both sides have raised the issue and the first one I heard was from here on Madhya Pradesh and later on it was Andhra. So I said..... (*Interruptions*).

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Madam, first you allowed Shrimati Kamla Sinha. That was about Andhra Pradesh. Then you allowed Shrimati Veena Verma. (*Interruptions*).

He is trying to cover up the incident. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. ...(*Interruptions*)... Order Order...

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, I am on a point of order.

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Perhaps the Minister did not hear. I have allowed Mrs. Sinha to speak and many people from the right and the left and the front had spoken on it. but the issue before us was not Madhya Pradesh. The issue before us was what happened in Andhra Pradesh and Mrs. Sinha raised it. Mrs. Jayanthi Natarajan also raised it. Mrs. Veena Verma raised it, Mrs. Satya Bahin raised it and all the lady Members belonging to various parties, whether she is Sushma Swaraj or a CPI Member, raised it. Everybody raised it. So the question is about Andhra Pradesh. ..(*Interruption*)... Yes, Amrita Pritam also raised it.

SHRI M. M. JACOB: Madam, I Join...

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, it is all on record...

SHRI M. M. JACOB: When I started saying this, it is only with the honest hope that we all condemn such happenings in the country, whether they happen, whether it is in the State...

(*Interruptions*)

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH (Bihar): Madam, this is not the question... (*Interruptions*)..

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): What are you going to do?

(*Interruptions*)

SHRI P. UPENDRA: Madam, I would like to know what he is going to do about it.

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH: What action are you going to take as the Home Minister? I would like to know what action the Government is going to take...

(*Interruptions*)

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, we want an assurance from the Government that it will take action against the persons responsible for this incident and will suspend the police officials...

(*Interruptions*)

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH: Madam, a Committee of the House should be constituted...

SHRI DIPEN GHOSH: What action are you going to take?

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH: Madam, we demand that a Committee of the House should be constituted to look into the incident..

(Interruptions)

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What is your point of order?

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, in your wisdom you allowed the Members to raise a particular point which has been agitating the Members. Mrs. Kamla Sinha raised that point and gave details of a very shameful incident that had occurred. You allowed other lady Members to associate with Mrs. Sinha in giving further details and condemning the incident. Madam, we just say we don't need the further Congress support in condemning this incident. It is an offence which does not only offend women, but it offends the basic dignity of the individual also in a civilised society. Madam, you asked the Home Minister this point and I expected—and of course, I now realise that I wrongly expected it—that the Home Minister would get up to tell us, with all the draconian powers of the Central Government, what action they were going to take. He gave us a homily that he also condemned this incident. Madam, we don't want him to condemn the incident. We want him to take action against the persons who are responsible for this and to suspend the police officer who refused to write a report. If the police officer does not take cognizance of the woman's plight, what for is the police there? And this is a State where the same party is ruling, and we expect a better response from the Government instead of what his opening sentence shows, that he runs away from the problems by saying that he condemns atrocities on women in Madhya Pradesh and Andhra Pradesh. We don't want condemnation. We want an answer to this specific issue...

(Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order. Order, order, order... *(Interruptions)* .. Order, please. Please sit down, Mrs. Satya Bahin. Just a minute. ... *(Interruptions)*.. Just a minute I will alow you. ..*(Interruptions)*... Please keep quite. Sit down. It is a matter which is very serious. It is a matter which is above politics. All of you, please don't dilute it and let the Minister say. *(Interruptions)* I am addressing to everyone. *(Interruptions)*... Please I said I will allow you. Let him finish. *(Interruptions)*...I will permit you. *(Interruptions)*. I said, 'I will permit you *(Interruptions)*...

SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA: This is not first-hand information *(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will permit you. Would you like to give him the details? Okay, Minister, let the Member belonging to that area give some details. It might help you to visualise what the problems was.

SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA: Madam, Chelkurti village is the Mandal headquarters having a population of fifteen thousand in Nalgonda district in Andhra Pradesh and I come from that district. In the same Chelkurti village there is a police station having a strength of about 15 constables, 2 head-constables and a Sub-Inspector. On the day of the occurrence, on 14th August, there was a bazaar. There were about ten thousand people. These people of upper castes had made this backward woman... *(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, Order. It is a serious matter. *(Interruptions)* ... Don't interrupt him. Please. *(Interruptions)*...

SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA: The woman belongs to the backward class. If the Minister needs all the details he can get the details from the State Government. मगर ऐसा हुआ कि औरत को जब नंगा किया गया, एक घंटा नहीं, दो घंटा नहीं, तीन घंटा उसको बाजार में फिराते गये और वहां कांस्टेबल थे, वहां पर पुलिस थी। Police were witnessing the scene. The headquarters of the RDO and the headquarters of the Deputy Superintendent of Police are 10 kilometres away from the village. जो खत्म होने पर उसको मारा-पीटा गया, उसके बाद में जिस यादव कम्युनिटी के दूसरे एक old man was there. The old man could not see the scene. When he attempted to cover with some clothes he was beaten badly by the upper-caste people. The fact is that the DSP, the RDO and the Circle Inspector, most of them, are from upper castes and they never took cognisance of the offence and लास्टली, वह औरत को एक चिट्ठी दिया गया आर०डी०ओ० की तरफ से कि यह चिट्ठी ले जाकर हास्पीटल में आप ट्रीटमेंट लीजिये।

Everybody knew that this scene was going on for three or four hours but nobody came to her rescue. What I feel is that it was just because of the support of the police there that these people could do this. So, kindly go through the facts and I request the hon'ble Home Minister to go to the spot and verify the facts. (*Interruptions*)...

SHRI MENTAY PADMANABHAM: About nine months ago some tribal women were attacked. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order Please take your seat. (*Interruptions*)... Just a minute. How can everybody speak at the same time? (*Interruptions*)...

SHRI P. UPENDRA: Madam, I want to tell something more. It is not an isolated incident. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Please sit down. (*Interruptions*) ...

आप बोल चुकी हैं। आप कृपया अपना स्थान ग्रहण कीजिये।

SHRI P. UPENDRA: Madam, it is not an isolated incident. There are many atrocities committed on the weaker sections. A few days ago a very large number of Harijans were killed. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is a Special Mention. Don't add something else to it. (*Interruptions*)... This is a specific issue. (*Interruptions*)... No, I am not allowing. That I will allow the gentleman who has given it as a Special Mention. (*Interruptions*)...Please, order. Don't interrupt like this. (*Interruptions*)... Please don't interrupt. (*Interruptions*)... Let him make his say. He asked me because he comes from that area. Do you also come from that area? He comes from that region. Let him say what he wants.

श्री प्रभाकर राव कलवला : मैडम, मेरा एक ही सवाल है। जब वहां पर हैडक्वार्टर में पुलिस स्टेशन है, पुलिस के सामने यह घटना घटी है, क्या वजह हो सकती है, उसके बारे में मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि क्यों यह घटना घटी, पुलिस के बावजूद, वहां पुलिस की प्रेजेंस में, उसके सामने घटना कैसे हो सकती है, यह मैं जानना चाहता हूं। I want a reply from the hon'ble Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I would like the Minister to find out the facts from the police headqarters there and the State Government and

[The Deputy Chairman]

then to please come back to the House with full facts because it is a very serious matter. It is a matter of the dignity of woman which I am sure, all of you uphold and protect. (*Interruptions*) Now there is nothing more to that. Please sit down.

SHRI M.M. JACOB: Madam I had just finished my first sentence and before I spoke my second sentence my honourable friends jumped to conclusions. And that is how the confusion arose. In matters like this each one may have his own method of presenting his point. Some may be coming straight to the subject and some may be coming to the subject with an introduction. I was coming to the subject with an introduction. I am coming to the subject. The incident took place in a State. Law and order is a State subject. The Chair has directed for ascertaining the full facts. Even earlier we had already asked for full details of this particular incident from the Andhra Pradesh Government and as soon as I get the information, I shall present it before you.

SHRI P. UPENDRA: He was in Hyderabad. Did he not find out the facts there?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, after his assurance the matter is closed. (*Interruptions*) Please sit down. That matter is over. We have now moved to another matter.

SPECIAL MENTIONS

Growing Incidents of sale of minor girls for marriage purposes

कुमारी आलिया (उत्तर प्रदेश) : मैडम डिप्टी चेयरमैन साहिबा, मैं आपका ध्यान हैदराबाद की ओर ले जाना चाहती हूं जहां पर 11 साल की मासूम आमीना के साथ जबर्दस्ती निकाह किया गया जोकि बहुत ही शर्मनाक बात है।

मैडम, मैं सरकार से यह कहना चाहती हूं कि जो इस तरह से शरीअत का प्रोपेगंडा करके 11 साल की नाबालिग मासूम आमीना के साथ 61 साल के योगेश शेख का निकाह किया गया है, यह शादी बिल्कुल शरीअत के हिसाब से जायज नहीं है क्योंकि आमीना को यह मालूम हो गया था कि मेरी शादी 61 साल के शेख से हो रही है। उसने बाकायदा उस शादी को एक्सेप्ट नहीं किया। उसके बाप ने और मां ने जबर्दस्ती उस शेख के साथ उसे रुख्सत कर दिया। मैडम, यह बड़ा गंभीर मामला है कि किस तरह से अरब के लोग हमारी हिंदुस्तान की मुस्लिम खातून लड़कियों को खरीदकर ले जाते हैं और उनके साथ निकाह का ढोंग रचाते हैं। मैं सरकार से मांग करती हूं कि जो इस तरह का ढोंग रचा जा रहा है और मासूम बच्चियों के साथ शादी की जा रही है, इसको बंद किया जाए।

मैडम, शेख के वकील कहते हैं कि आमीना को खरीदा नहीं गया है, बाकायदा उसका निकाह हुआ है इस्लाम शरीअत के मुताबिक जोर जबर्दस्ती नहीं है, 9 वर्ष की आयु में निकाह जायज है। लेकिन मैं यह कहना चाहती हूं कि जब तक कि लड़की शादी को एक्सेप्ट नहीं करेगी, मंजूर नहीं करेगी, उसे अपना शौहर नहीं मानेगी तब तक यह निकाह जायज नहीं है। अब क्योंकि आमीना को यह मालूम हो गया था कि शेख 61 साल का है, उसने इसे एक्सेप्ट नहीं किया। इसलिए यह शादी जायज नहीं है।

मैडम, मैं आमीना की परवरिश की जिम्मेदारी लेती हूं। मैं उसको एडाप्ट करना चाहती हूं। मैं उसको पढ़ाऊंगी, लिखाऊंगी और फिर उसकी शादी की जिम्मेदारी लूंगी। मैडम, यह जो ढोंग रचा जा रहा है कि विदेशी लोग आयें और मासूम लड़कियों को खरीदकर बाहर ले जायें, मैं सरकार से गुजारिश करती हूं कि इस धंधे को बंद किया जाए और शेख को कड़ी-से-कड़ी सजा दी जाए।

श्री संघप्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं इसका समर्थन करता हूं...